जोधपुर में राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट के लिये 672.5 करोड़ रुपए की मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

21 अप्रैल, 2022 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में हुई फिनटेक डिजिटल विश्वविद्यालय, जोधपुर की समीक्षा बैठक में जोधपुर में राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट की स्थापना के लिये 672.5 करोड़ रुपए की संशोधित राशि को मंज़ूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- यह संस्थान जोधपुर में 66 बीघा भूमि में स्थापित किया जाएगा। वर्ष 2021-22 की बजट घोषणा में 400 करोड़ रुपए फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट की स्थापना के लिये आवंटित किये गए थे।
- इस संस्थान को स्टेट ऑफ द आर्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। संस्थान का परिसर शून्य अपशिष्ट, शून्य बिजली और शून्य पानी के साथ नेट ज़ीरो कैंपस होगा। यह भवन पर्यावरण हितैषी भवन होगा। राजस्थान राज्य में अपनी तरह का यह पहला निर्माण होगा।
- प्रारंभ में संस्थान के लिये 1,400 छात्रों की क्षमता की सोच रखी गई थी। अब यूजी, पीजी और पीएचडी कार्यक्रमों की संख्या को देखते हुए छात्रों की संख्या को 4,000 तक संशोधित किया गया है।
- राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट के तहत चार स्कूल प्रस्तावित हैं। इसमें स्कूल ऑफ फाइनेंशियल इन्फॉर्मेशन सिस्टम, स्कूल ऑफ फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी, इंस्ट्रूमेंट्स एंड मार्केट्स, स्कूल ऑफ फाइनेंशियल सिस्टम्स एंड एनालिटिक्स और स्कूल ऑफ फिनटेक इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप हैं।
- संस्थान में स्मार्ट क्लासरूम, ट्यूटोरियल रूम, लेक्चर थिएटर, फ्लिप क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, कंप्यूटर सेंटर, सेंट्रल लाइब्रेरी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, सेमिनार हॉल बोर्ड रूम 1,000 छात्रों के लिये ऑडिटोरियम, खेल सुविधाएँ आदि होंगी।
- संस्थान में गेस्ट हाउस, एकेडमिक ब्लॉक, कार्यशालाएँ, छात्रावास, फैकल्टी ब्लॉक, गैर-शिक्षण ब्लॉक, डीन और निदेशक निवास सहित 11,55,500 वर्ग फीट में निर्माण होगा। इसमें शिक्षण, अनुसंधान और विकास के लिये अत्याधुनिक आईटी सुविधाएँ होंगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajiv-gandhi-fintech-digital-institute